प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वन हेल्थ चुनौतियों के लिए भविष्य के नेताओं को तैयार करने पर दूसरा सीआईआई वन हेल्थ व्याख्यान सत्र आयोजित

पन्तनगर। 20 फरवरी 2024। विश्वविद्यालय में वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट (ओएचएसयू) ने पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के साथ मिलकर वन हेल्थ व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा वन हेल्थ व्याख्यान सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच एक स्वास्थ्य की अवधारणा की अंतः विषय समझ को बढावा देना है। कार्यक्रम में भविष्य के पशुचिकित्सकों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं आदि के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने वाले वन हेल्थ के महत्वपूर्ण पहलुओं पर आकर्षक सत्र शामिल थे। यह कार्यक्रम बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के वित्तीय सहयोग और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यान्वयन भागीदार के रूप में भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) उत्तराखंड में वन हेल्थ प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से पशुचिकित्सा, वानिकी, कृषि क्षेत्र और भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली के प्रसार शिक्षा विभाग और पशु सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग से कुल 300 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यवाहक कुलपति एवं कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में पशुपालन विभाग, उत्तराखंड के निदेशक डा. नीरज सिंघल भी मौजूद थे। ओएचएसयू के स्टेट लीड डा. मनीष राय ने वन हेल्थ पर एक परिचयात्मक व्याख्यान के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ किया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. निधीश भारद्वाज, सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर, ओएचएसयू ने क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित वन हेल्थ संबंधी गतिविधियों के बारे में चर्चा की। प्रतिष्ठित वक्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। विशेषज्ञ वक्ताओं ने कई वन हेल्थ संबंधी विषयों पर चर्चा की। अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय डा. एस.पी. सिंह ने 'रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के लिए औषधीय परिप्रेक्ष्यः वन हेल्थ दृष्टिकोण' विषय पर सभी को संबोधित किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक सलाहकार, डिवीजन ऑफ कम्युनिकेबल डिजीसेस, आईसीएमआर डा. हरमनमीत कौर ने 'पर्यावरण निगरानी : रोग निगरानी, रोकथाम और नियंत्रण के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण' विषय पर प्रकाश डाला। प्रधान वैज्ञानिक, प्रसार शिक्षा विभाग, आईवीआरआई डा. महेश चंदर ने 'वन हेल्थ में प्रभावी संचार रणनीतियाँ' पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। एम्स ऋषिकेश के डा. योगेश बहुरुपी ने 'उत्तराखंड में जूनोटिक रोग परिदृश्य : शमन रणनीतियाँ' का व्यापक विश्लेषण दिया। कार्यक्रम अधिकारी, पशु स्वास्थ्य, जपाइगो डा. विपिन कुमार वर्मा ने 'जैव अपशिष्ट प्रबंधन में वन हेल्थ सिद्धांतों को जोड़ना' विषय पर चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के बीच दोतरफा प्रश्न–उत्तर सत्र ने वन हेल्थ अवधारणा की गहरी समझ में योगदान दिया। यह पहल भविष्य के पशुचिकित्सकों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को जटिल वन हेल्थ चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगी। स्टेट लीड–उत्तराखंड, ओएचएसयू डा. मनीष राय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। वन हेल्थ व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य आने वाले वर्षों में वन हेल्थ की जटिलताओं को समझने के लिए तैयार एक सक्षम कार्यबल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। कार्यक्रम का आयोजन डा. ए.के. उपाध्याय, डा.राजीव रंजन कुमार एवं डा. सुधीर कुमार के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में संबोधित करते कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर।

निदेशक संचार